

राजधानी में कालाबाजारी: ब्रांडेड कंपनी का लेबल लगाकर मेकअप के नकली प्रोडक्ट की बाजार में बिक्री

रायपुर 01 दिन पहले



राजधानी के बाजारों में कुछ ब्रांडेड नामी कंपनियों का लेबल लगाकर नकली मेकअप प्रोडक्ट बाजार में बेचे जा रहे हैं। कालाबाजारी करने वाले नकली प्रोडक्ट को आधे से भी कम कीमत में खरीदने के बाद कंपनी की ओरिजनल कीमत पर यानी दोगुने दाम में बेच रहे हैं। कंपनी के मुंबई-दिल्ली से आए अधिकारियों ने बुधवार को इस तरह के सैंपल शहर के बाजार से खरीदे और एसएसपी व संबंधित थाना प्रभारियों के पास शिकायत की है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। अफसरों का कहना है कि जल्द ही छापेमारी अभियान चलाकर दुकानों और गोदामों की जांच की जाएगी।

कंपनियों की शिकायत है कि दो नामी कंपनियों के नकली मेकअप प्रोडक्ट सबसे ज्यादा बाजार में बिक रहे हैं। इनमें कांपेक्ट फाउंडेशन, फेयरनेस क्रीम, काजल, लिपिस्टिक और आई लाइनर शामिल हैं। अफसरों ने बंजारी रोड और गोलबाजार की दुकानों से सबसे ज्यादा इस तरह के डुप्लीकेट प्रोडक्ट की खरीदी की है। बताया जा रहा है इन बड़े बाजारों से ही राज्य के सभी जिलों में डुप्लीकेट स्टॉक की सप्लाई की जा रही है। हर दिन लाखों का माल दूसरे जिलों में भेजा रहा है। राज्य के कुछ जिलों में नकली प्रोडक्ट बनाने की फैक्ट्री तक खुल गई है। इन्हीं फैक्ट्रियों से प्रोडक्ट की सप्लाई बाजारों में की जा रही है। इस मामले में पहले भी कार्रवाई हो चुकी है।

गोलबाजार पुलिस ने एक करोड़ से ज्यादा की नकली चायपत्ती, मेकअप प्रोडक्ट और दूसरे सामान जब्त किए थे। हालांकि उस कार्रवाई के बाद पुलिस भी शांत हो गई। इस वजह से नकली प्रोडक्ट में फिर से तेजी आ गई है। छत्तीसगढ़ डिस्ट्रीब्यूटर संघ के प्रदेशाध्यक्ष ललित जैसिंध ने बताया कि इस मामले में पुलिस के पास शिकायत कर दी गई है। नकली प्रोडक्ट इतनी सावधानी से बनाए जा रहे हैं कि पहली नजर में असली-नकली की पहचान करना मुश्किल हो रहा है। कंपनियों के अफसर लगातार कई दुकानों और गोदामों की जांच कर पुलिस को इनपुट दे रहे हैं।

स्किन की समस्या ज्यादा ऐसे ही प्रोडक्ट से

विशेषज्ञों के अनुसार नकली प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने पर सबसे ज्यादा खतरा महिलाओं को हो रहा है। उन्हें स्किन की समस्याएं हो रही हैं। कई रिसर्च में आ चुका है कि इस तरह के प्रोडक्ट का लंबे समय तक इस्तेमाल करने से स्किन कैंसर का खतरा रहता है। स्किन रोग विशेषज्ञ डॉ. एसएस वर्मा का कहना है कि नकली प्रोडक्ट में खर्चा बचाने के लिए निम्न स्तर की सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरा खराब होने के साथ ही स्किन पर भी असर होता है।

Source:

<https://www.bhaskar.com/local/chhattisgarh/raipur/news/sale-of-fake-products-of-makeup-under-the-label-of-a-branded-company-128780530.html>